हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 5 अंक 33 धर्मशाला। शनिवार, 02 मई-08 मई, 2020 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 20 वैशाख, विक्रमी संवत् 2077 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/15-17

भगवान बुद्ध...

-पढ़ें पेज 3 पर

नरसिंह जयंती

नरसिंह जयंती बैसाख महीने की शुक्ल पक्ष की चर्तुदशी को मनायी जाती है। नरसिंह जयंती हिन्दुओं का एक बहुत बड़ा त्यौहार है। भगवान नरसिंह शक्ति का प्रतीक माने जाते हैं। इस वर्ष 2020 में यह जयन्ती 6 मई को मनाई जाएगी। नरसिंह जयंती का व्रत से सभी दुख दूर होते हैं और भगवान की कृपा बनी रहती है। नरसिंह अवतार में भगवान ने आधा मनुष्य और आधा शेर का रूप धारण किया था। इस दिन व्रत और पूजन से मनुष्य के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। नरसिंह जयंती के दिन भगवान नरसिंह के साथ मां लक्ष्मी की भी पूजा करनी चाहिए। इससे देवी लक्ष्मी की भी कृपा बनी रहती है।

नृसिंह जयंती के दिन प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधी–विधान के साथ पूजा अर्चना करें। भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करना चाहिए तत्पश्चात वेदमंत्रों से इनकी प्राण–प्रतिष्ठा कर षोडशोपचार से पूजन करना चाहिभगवान नरसिंह जी की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम केसर, नारियल, अक्षत व पीताम्बर रखें। गंगाजल, काले तिल, पञ्च गव्य, व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें।

भगवान नरसिंह को प्रसन्न करने के लिए उनके नरसिंह गायत्री मंत्र का जाप करें। पूजा पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से इस नृसिंह भगवान जी के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए. इस व्रत करने वाला व्यक्ति लौकिक दुःखों से मुक्त हो जाता है भगवान नृसिंह अपने भक्त की रक्षा करते हैं व उसकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

नरसिंह मंत्र :

ऊं उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम्
ऊं नृम नृम नृम नर सिंहाय नमः।